प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 04 मार्च, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज झारखंड फार्मेसी छात्र संघ का एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की तथा झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष एवं निबंधक-सह-सचिव के विरुद्ध मामला दर्ज कर कार्रवाई करने के संदर्भ में एक ज्ञापन समर्पित किया। शिष्टमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष द्वारा गलत सूचना देने एवं निबंधक पद पर अनुचित नियुक्ति की ओर ध्यान आकृष्ट किया। साथ ही, विधिक एवं प्रशासनिक अनियमितताओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए इस मामले में आवश्यक कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, शिष्टमंडल ने डिप्लोमा-इन-फार्मेसी परीक्षा समिति द्वारा डी फ़ार्मा में की गई अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच की मांग भी की।

(2) माननीय राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार से आज झारखंड यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (JUTAN) का एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की तथा राज्यपाल महोदय द्वारा पूर्व में उच्च शिक्षा में सुधार हेतु मांगे गए सुझाव के आलोक में कतिपय सुझावों से समाहित एक प्रतिवेदन समर्पित किया गया। इसमें कहा गया है कि CUET के मूल्यांकन के आधार पर ही विद्यार्थियों को डिग्री में प्रवेश दिया जाए। स्नातक डिग्रीधारी विद्यार्थियों को अपनी भाषा समृद्ध करनी होगी, केवल सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि पर जोर न देकर गुणात्मक शिक्षा की ओर ध्यान देना होगा। पुस्तकालयों को समृद्ध एवं वाचनालय से युक्त होना आवश्यक है। शिष्टमंडल ने शिक्षकों की नियुक्ति एवं प्रोन्नति की दिशा में भी ध्यान आकृष्ट कराया।

(3) माननीय राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार से आज आदिवासी महासभा, रांची के समन्वयक श्री देव कुमार धान के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की तथा जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय, रांची विश्वविद्यालय, रांची के कुँड़ुख़ भाषा विभाग में पीएचडी शोध अनियमितता की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। शिष्टमंडल ने बताया कि पीएचडी शोध में गड़बड़ी बढ़ती जा रही है, जिससे कुँड़ुख़ भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं इतिहास लेखन में गंभीर त्रुटियाँ उत्पन्न हो रही हैं। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि कुँड़ुख़ भाषा में पीएचडी करने वाले छात्रों को गाइड/पर्यवेक्षक के रूप में मुंडारी भाषा के शिक्षकों को नियुक्त किया जा रहा है, जिन्हें कुँड़ुख़ भाषा की जानकारी नहीं है। माननीय राज्यपाल महोदय से इस स्थिति को सुधारने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए शिष्टमंडल ने पीएचडी शोध निबंधन रद्द करने और आवश्यक कार्रवाई हेतु पहल करने का आग्रह किया।

(4) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज मूलवासी सदान मोर्चा का एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की तथा पेशा अधिनियम 1996 के तहत मूलवासी सदानों को भी ग्राम प्रधान अध्यक्ष बनाने और ओबीसी के फर्जीवाड़ा सर्वेक्षण पर रोक के संदर्भ में ज्ञापन समर्पित किया।